चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......The Tribune......

दिनांक 3.11.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6

HAU to install 1-MW solar power plant

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, NOVEMBER 2

To conserve the environment, Haryana Agricultural University (HAU) will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy.

A university spokesman said a power purchase agreement had been secured between HAU, Sukhbir Agro Energy Limited and Haryana Renewable Energy Development Agency.

Under this, one MW solar power plant will be installed in the university. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. This will

Haryana farm varsity to save over ₹65 lakh annually

save the university more than Rs 65 lakh annually and the university will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the university will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Vice-Chancellor Samar Singh said setting up a solar power plant was an important step towards environment protection. It will be installed on the roofs of all buildings of the university and after this the rate of electricity per unit to the university will also be reduced because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40.

The PPA was signed in the presence of the VC, Estate Officer and Chief Engineer Bhupendra Singh, Sub Divisional Officer Somvir Gehlavat and Sukhbir Agro Energy Limited CEO Khalid Nadeem and Deputy Manager Anil Yadav. University's Estate Officer and Chief Engineer Bhupendra Singh said this would be for the first time that such a solar power plant was being installed on a government building in the state as the electricity generated from this plant would cost Rs 3.33 per unit. "Earlier, wherever government buildings had solar power plants, the electricity rate per unit has been expensive," he said.

He said the company would take care of these plants and for the next 25 years it would run and maintain the plants. On completion of the 25-year period, the plant would become the university property.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी........

दिनांक ..3.11.2020.. पृष्ठ संख्या ....2.... कॉलम ....6-8....

'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित करते वक्ता।

हिसार, 2 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

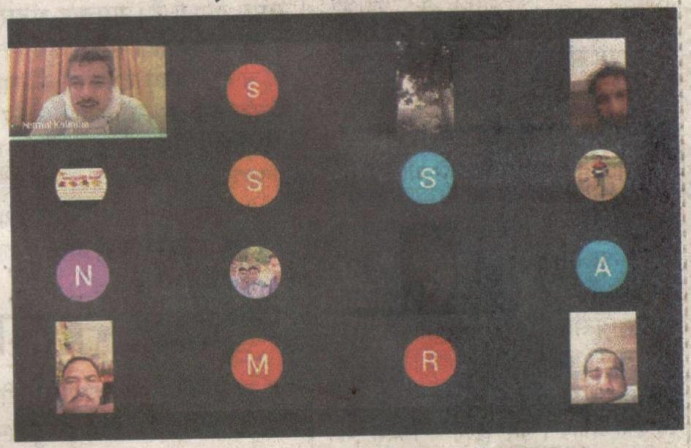

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण

दिनांक 3.11.2020 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 1-2

विज्ञानियों ने दिए सब्जियों के बेहतर उत्पादन के टिप्स

किसानों को दी सलाह

- सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान में सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना विषय पर प्रशिक्षण का समापन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का संपन्न हुआ। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डा. ऊषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें।

नवीनतम तकनीकों की दी जानकारी : सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डा. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डा. एसके तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डा. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए।

प्रतीकात्मक तस्वीर। ● जागरण आर्काइव

डा. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सरी तैयार करने की विधि से प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डा. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि किसान समूह बनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण : इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डा. दविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक ...3.11.2020.......पृष्ठ संख्या.......2..............कॉलम........3-6........

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के दिए टिप्स

एचएयू में 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर हुए प्रशिक्षण का समापन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण के समापन पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एसके तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक ...3.11.2020... पृष्ठ संख्या ...4... कॉलम ...3-4...

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका बनाने के बताए तरीके

हिसार। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के समापन संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के तरीके बताए। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एसके तेहलान, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. निर्मल कुमार ने भी सब्जियों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**03.11.2020**	——	--

कृषि: 'नर्सरी तैयार करना' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण का समापन

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्स

■ नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बेहद जरूरी: डॉ. उषा

हिसार (सच कहूँ ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सावना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें।

सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एस.के. तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सरी तैयार करने की विधि से प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डॉ. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि किसान समूह बनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	**03.11.2020**	——	--

तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में दी अभूतपूर्व जानकारियां

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्स

हिसार, 2 नवंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें।

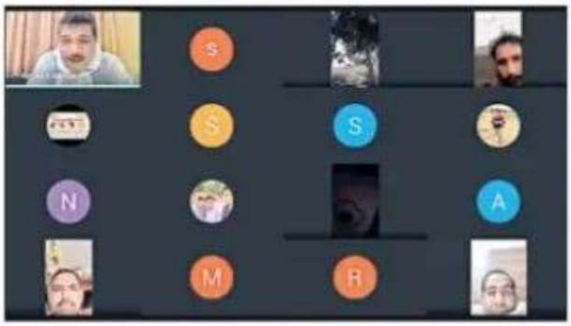

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए वक्ता।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।

नवीनतम तकनीकों की दी जानकारी

सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एस.के. तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**03.11.2020**	——	--

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्स

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी।

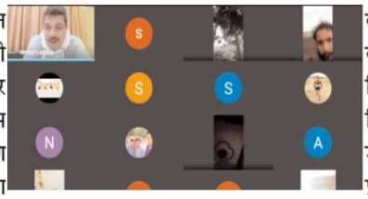

संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधूनिक तकनीकों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**02.11.2020**	——	--

'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. दविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**02.11.2020**	——	--

'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्स

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें।

नवीनतम तकनीकों की दी जानकारी

सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एसके तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सरी तैयार करने की विधि से प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डॉ. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि किसान समूह बनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. दविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**02.11.2020**	——	--

सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करने पर प्रशिक्षण

हिसार/02 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एसके तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सरी तैयार करने की विधि से प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डॉ. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि किसान समूह बनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। 30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. दविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**02.11.2020**	——	--

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्स

'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण का समापन

टूडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतू नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधूनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एस.के. तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सरी तैयार करने की विधि से प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डॉ. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि किसान समूह बनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

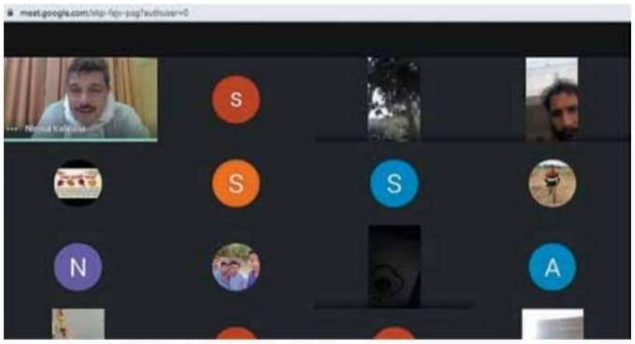

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए वक्ता।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण : इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. दविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	**02.11.2020**	——	--

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्स

हिसार/विनोद गांधी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	**02.11.2020**	——	--

प्रतिभागी बागवान ऑनलाइन प्रशिक्षण का लाभ उठाएं : गोदारा

चंडीगढ़/खुशबू। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिये नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण की आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एस.के. तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. निर्मल कुमार ने भी अपने विचार रखे।